Title: Regarding working of Sports Authority of India (SAI).

**श्रीमती ज्योतिर्मयी सिकदर (कृानगर)** : स्भापति महोद्य, स्पोर्ट्स आथोरिटी ऑफ इंड्या के अंडर 1400 कोच भारत में हैं, लेकिन पहली जुलाई से पांच जुलाई तक पूरे भारत में साई के अंडर 736 कोचिज़ का ट्रांसफर हुआ है, इस व्याय की ओर मैं आपका ध्यान आकर्ति करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि आज की तारीख में साई का कोचेज के प्रति काम करने का तरीका ठीक नहीं है। इस परिवेश में सुधार करने की ज़रूरत है। आज हालात यह हैं कि हमारे जो खिलाड़ी ट्रेनिंग ले रहे हैं उनका मनोबल गिरता नजर आने लगा है। इस परिवेश में साई के ऊपर ध्यान देने की ज़रूरत है। कोचेज के ट्रांसफर से संबंधित नियम साफ न होने की वजह से संदेह का वातावरण फैलने लगा है और इस कारण हमारे देश में खेल-कूद का स्तर गिरने लगा है। यह हमारे लिए चिंता का एक कारण बन गया है। कोचेज के ट्रांसफर का सही मापदंड क्या है, यह स्पट नहीं है, इसलिए ट्रांसफर में अनियमिताएं दिखाई देने लगी हैं। वैसे देखा गया है कि किसी-किसी सेंटर में दो या तीन वर्ों के अंदर कोचेज का ट्रांसफर कर दिया गया है और किसी-किसी जगह पर 10, 15 और 20 साल तक एक ही जगह पर कोचेज को रखा जाता है। महोद्य, मैं जानना चाहती हूं कि ट्रांसफर की पालिसी क्या है? बार-बार निर्धारित सम्य से पहले ट्रांसफर करने के कारण खिलाड़ियों को सही ट्रेनिंग नहीं मिल पाती है और दूसरी तरफ किसी कोच का एक जगह पर लंबे सम्य तक रहने से ट्रेनिंग देने में इंटरेस्ट कम हो जाता है, बल्कि दूसरे कामों में, जैसे बिजनेस आदि में पैसा कमाने में ध्यान जाने लगता है। उनका ट्रेनिंग देने में इंटरेस्ट खत्म होने लगता है, जिससे खेलकूद का वातावरण गिरने लगता है ।

**20.00 hrs.**

ऐसा भी देखा गया है कि 1990 से 1994 तक एक खिलाड़ी को पी.एचडी. करने के लिए जर्मनी भेजा गया, ताकि वह लौटने के बाद कोचेज को ट्रेनिंग देकर स्टेंडर बढ़ा सके, लेकिन ऐसे कोच को खिलाड़ी का ट्रेनिंग देने के लिए एस.ए.आई. ने भेजा जो कलकत्ता सेंटर में 19 र्वा तक रहा। इसी प्रकार सोनीपत में चौधरी देवी लाल एस.ए.आई., नॉर्थ सेंटर में ग्राउंड नहीं है, इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है, लेकिन 5 जुलाई को वहां 32 कोचेज को भेजा गया। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : You are reading the history of the Sports Authority of India. Please conclude now.

**श्रीमती ज्योतिर्मयी सिकदर** : कहीं एक खिलाड़ी के पास एक कोच नहीं है और कहीं इतने ज्यादा कोच लेकिन खिलाड़ी नहीं हैं। इसलिए मेरा निवेदन है कि ट्रांसफर की नीति पारदर्शी बनाने की आवश्यकता है। एक योजना के अन्तर्गत 25 र्वा के खिलाड़ियों की भर्ती की जानी थी, लेकिन उस योजना में ज्यादा उम्र के खिलाड़ी भर्ती किए जा रहे हैं जिससे जूनियर खिलाड़ियों को चांस नहीं मिल रहा है। इसलिए मेरा निवेदन है कि ऐसा नहीं होना चाहिए और जूनियर खिलाड़ियों को भी चांस मिलना चाहिए। अतः इसमें सुधार करने की ज़रूरत है।

**डॉ. धीरेन्द्र अग्रवाल (चतरा)** : स्भापति जी, मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Dr. Dhirendra Agarwal, please be seated, I will call you.